भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 862
दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान

862. **श्री राम शिरोमणि वर्मा:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने देश में कैंसर की रोकथाम के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कोई अभियान शुरू किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने कैंसर के मामलों में वृद्धि के कारणों का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए;
(ङ) क्या सरकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में अनुसंधान और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है ताकि कैंसर जैसी गंभीर जानलेवा बीमारियों की रोकथाम की जा सके और प्रारंभिक अवस्था में ही कैंसर का पता लगाया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) क्या सरकार देश में सभी प्रकार के कैंसर का नि:शुल्क इलाज कराने पर विचार कर रही है; और
(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में, राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्तर स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्र को रेफर करने और स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन पर फोकस किया जाता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में कैंसर सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई। इन सामान्य एनसीडी की स्क्रीनिंग सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है।

इसके अतिरिक्त, कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस मनाना, सतत सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के संबंध में जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के ईट राइट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से स्वस्थकर भोजन को बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" लागू किया गया है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप किए जाते हैं।

(ग) और (घ); भारत आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि कैंसर का पता लगाने के लिए उन्नत नैदानिक तकनीकों की सुलभता और उपलब्धता के अलावा, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, वृद्धजन की बढ़ती हुई आबादी, उच्च स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी बेहतर व्यवहार के कारण भारत में कैंसर के मामले अधिक संख्या में दर्ज किए गए हैं।

(ङ) सूचित किए गए अनुसार, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) केंद्रीय प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से पित्ताश्य कैंसर, स्तन कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, पूर्वोत्तर में होने वाले कैंसरों तथा मुख कैंसरों के क्षेत्रों में अपने संस्थानों, विभिन्न परियोजनाओं और कैंसर कंर्सोशियम के माध्यम से कैंसर के संबंध में अनुसंधान करता है।

(च) और (छ); स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों में विभिन्न स्तरों पर कैंसर का निदान और उपचार किया जाता है। सरकारी अस्पतालों में उपचार या तो नि:शुल्क है अथवा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए अत्यधिक आर्थिक सहायता प्राप्त है। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत कैंसर का इलाज भी उपलब्ध है। इस योजना के तहत 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर लाभार्थी परिवारों (लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों) को मध्यम या विशिष्ट परिचर्या हेतु अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, राज्य सरकारों के सहयोग से प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत सभी को किफायती मूल्यों पर गुणवत्तायुक्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कैंसर औषधियों सहित औषधियों को अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में पर्याप्त छूट पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुछ अस्पतालों/संस्थानों में किफायती दवाइयां एवं उपचार हेतु विश्वसनीय प्रत्यारोपण (अमृत) फार्मेसी स्टोर स्थापित किए गए हैं।

*****